महा शिवरात्रि के इस महान शुभ अवसर पर निराकार शिव पिता एवं सभी रूहानी बच्चों को जन्मदिन की कोटि कोटि बधाईयाँ ।

प्यारे मीठे रूहानी शिव पिता,

कलियुग के इस अज्ञान अन्धकार रुपी रात्रि (शिवरात्रि) में साधारण मनुष्य प्रजापिता ब्रह्मा के तन में अवतरित होकर सर्व मनुष्य आत्माओं को पावन बनाने एवं पुरानी कलियुगी आसुरी दुनिया को नयी सतयुगी दैवी दुनिया में रूपांतरण कर हमें रावण राज्य के दुःख, अशांति, अत्याचार, भ्रष्टाचार वाली दुनिया से मुक्ति दिलाकर अपने असली घर (मुक्तिधाम, परमधाम) में ले चलने एवं रामराज्य (सतयुग, स्वर्ग) में सुख शांति, पवित्रता का जन्मसिद्ध अधिकार प्राप्त कराने के लिए हृदयपूर्वक नमन ।

आप भारत में कलियुग के अंतिम समय में अवतरित होकर के लुप्त प्राचीन राजयोग एवं ईश्वरीय ज्ञान की शिक्षा देते हैं जिसके अंतर्गत आपको सही विधि से याद करने से हमारे जन्म जन्मान्तर के पाप नष्ट होकर हम पावन बनते हैं एवं आसुरी अवगुण को त्यागने व दैवीगुण धारण करने का पुरुषार्थ करते हैं जिससे हम मनुष्य से देवता बनते हैं ।

Crore crore birthday wishes to Supreme incorporeal God father Shiva and his Spiritual children on this great auspicious occasion of **Mahashivratri.**

Dearest and Sweetest Shiv father,

Hearty Salutation for reincarnating in an odinary medium of Prajapita Brahma in the darkest night of ignorance (SHIVRATRI) in Kaliyug thus purifying all souls, transforming old kaliyug devil world to new Satyug deity world there by liberating us from the sorrow, unpeace, torment and corruption, guiding us to the land of liberation (Mukti dham or Soul world) and imparting the birthright of purity, peace and happiness in the deity world (Satyug, Heaven).

You reincarnate in Bharat (India) at the end of Kaliyug and teach us lost ancient Rajyoga and Godly knowledge due to which we remember you through right method and become purified by destroying our sins of numerous birth . We do the effort of becoming deity by abandoning our devil qualities and imbibing divine qualities.